Department of Adult, Continuing and Extension Education
प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग

ORDINANCES, REGULATIONS & SYLLABUS
अध्यादेश, नियम तथा पाठ्यक्रम

Academic Brochure
effective from 2010-2011

DEEN DAYAL UPADYAYA GORAKHPUR UNIVERSITY, GORAKHPUR
दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

- **Certificate/Diploma/Advance Diploma in Fashion, Accessories & Craft Designing**
- फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा

Department of Adult, Continuing and Extension Education

The Department of Adult, Continuing & Extension Education was established in 1979-1980 under third dimension 'of higher education. The department started functioning with the aim to conduct Adult & Extension Education through *remote community* centres managed by the students and the teachers. As per UGC guideline 1982, Continuing Education Programme was supplemented to the existing programmes. Short-term continuing education courses were introduced at the university centre for those who wanted to upgrade their knowledge and skills in certain specific areas. Population Education clubs were established during 1984-85 to make the masses aware of Population and Developmental issues. Later, in 1988, Jan Shikshan Nilayams (CECs) were started for post literacy and continuing education at the Panchayat Level in the Project Areas. Since 1992 self-finance need based continuing education courses have been started at the university centre to strengthen the UGC financed continuing education courses organized at community centres as well as to provide new dimensions in the existing curriculum of the university. The department also organized training for personnel like principals of the affiliated colleges, programme officers, supervisors, instructors, faculty members and for NGOs. Several seminars and symposia on the topics such as national integration, population education, environmental education, continuing education etc. were organized during the period. In the IXth five years plan, the UGC laid special emphasis on extension activities and suggested to include field outreach activities in the curriculum in the Xth plan UGC sanctioned E-learning and student councelling/Carrier guiadance Centre.

The Department received UNESCO-NLM Award 2002 for the outstanding contribution in the field of Adult & Continuing Education.

महामहिम कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी (विधि), राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या–4447/जी0एस0, दिनांक 02.06.2010 के द्वारा शिक्षा संकाय के अन्तर्गत प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग को विश्वविद्यालय परिनियमावली की धारा 7.15(बी) II पर समाहित करने तथा प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 1. फैशन एसेसरीज एण्ड क्राफ्ट डिजाइनिंग (एड–आन कोर्स), 2. एजूकेशनल इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी (एड–आन कोर्स), 3. सतत शिक्षा एवं प्रसार कार्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अध्यादेशों को महामहिम कुलाधिपति महोदय द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया है, जिसके आधार पर विश्वविद्यालय के पत्रांक : 2331/कमेटी/2010 दिनांक 05.07.2010 द्वारा अधिसूचना जारी की गयी।

फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र / डिप्लोमा / एडवांस डिप्लोमा

Certificate/Diploma/Advance Diploma in Fashion, Accessories & Craft Designing

अध्यादेश, नियम तथा पाठ्यक्रम सन् 2010–2011 से लागू

Ordinances, Regulations & Syllabus

प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
Department of Adult, Continuing and Extension Education
D.D.U.Gorakhpur University, Gorakhpur

फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम है। जिसे प्रथम वर्ष में प्रमाण पत्र, द्वितीय वर्ष में डिप्लोमा एवं तृतीय वर्ष में एडवांस डिप्लोमा कहा जायेगा।

प्रथम वर्ष

फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

'फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम' अंशकालिक पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं इससे सम्बद्ध महाविद्यालय का कोई भी नियमित छात्र प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है।

1. पाठ्यक्रम का नाम **''फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम'' होगा।**
2. पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष (30 क्रेडिट अर्थात 450 घंटे) की होगी।
3. इस पाठ्यक्रम का सत्र विश्वविद्यालय के अन्य कक्षाओं की भांति जुलाई से जून तक का होगा।
4. ''फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम'' में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा। इण्टरमीडिएट परीक्षा का प्राप्तांक मेरिट का आधार होगा। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले विद्यार्थियों में से इण्टरमीडिएट परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 60 अभ्यर्थियों को इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश हेतु आवेदन–पत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय से निर्धारित शुल्क भुगतान करने पर प्राप्त होगा।
5. शुल्क विवरण : इस पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित शिक्षण शुल्क रू0 5500/– है। इसके अतिरिक्त वि0वि0 द्वारा निर्धारित परीक्षा शुल्क देय भी होगा। शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क विद्यार्थियों को प्रवेश के समय एक साथ जमा करना होगा।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दो सिद्धान्त के प्रश्न–पत्र, दो प्रायोगिक एवं एक प्रोजेक्ट वर्क होगा। सिद्धान्त के प्रश्न–पत्र हेतु 10 क्रेडिट, प्रायोगिक कार्य हेतु 10 क्रेडिट तथा प्रोजेक्ट कार्य हेतु 10 क्रेडिट निर्धारित होंगे। प्रश्न–पत्र तथा उसके अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम का विवरण निम्नवत है–

सिद्धान्त (Theory)

Paper I	Fundamental Theory of Fashion Designing	100 Marks
Paper II	Material and Method of Fashion Designing	100 Marks
	Total	**200 Marks**

प्रायोगिक कार्य (Practical Work) सभी प्रायोगिक कार्य 3 घंटे की अवधि के होंगे।

Practical I	Fundamental Study of Fashion & Craft Designing	100 Marks
Practical II	Garment Ornamentation	100 Marks
	Total	**200 Marks**

प्रोजेक्ट कार्य (Project Work/Display & Viva-Voce)सभी प्रोजेक्ट कार्य 6 घंटे की अवधि के होंगे। 200 Marks

Grand Total 600 Marks

वर्षिक परीक्षा के आधार पर परीक्षा परिणाम घोषित होगा। सिद्धान्त, प्रायोगिक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य के सम्पूर्ण प्राप्तांकों के आधार पर विद्यार्थियों को ग्रेड/श्रेणी प्रदान की जायेगी। लिखित, प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट कार्य तीनों में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

सिद्धान्त के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न–पत्र सौ–सौ अंको के होंगे। सभी प्रश्न–पत्र अनिवार्य हैं। सिद्धान्त में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक हैं। अर्थात सिद्धान्त के प्रश्न–पत्रों में 66/200 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

इसी प्रकार प्रायोगिक कार्य जो दो सौ अंको का होगा। उसमें न्यूनतम 33 प्रतिशत (66 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

प्रोजेक्ट कार्य जो दो सौ अंकों का होगा। उसमें भी न्यूनतम 40 प्रतिशत (80 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

इस प्रकार लिखित, प्रायोगिक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य कुल 600 अंकों के होंगे। 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी (ए–ग्रेड), 45 प्रतिशत या 45 प्रतिशत से अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को द्वितीय श्रेणी (बी–ग्रेड) तथा 33 प्रतिशत या 33 प्रतिशत से अधिक परन्तु 45 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को तृतीय श्रेणी (सी–ग्रेड) में उत्तीर्ण माना जायेगा।

शिक्षण अवधि में हुए कक्षा व्याख्यानों, सेमिनारों, ट्यूटोरियल कक्षाओं तथा प्रायोगिक कार्यक्रमों में 75 प्रतिशत उपस्थिति सभी के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है। विशेष परिस्थिति में 5 प्रतिशत की छूट कुलपति जी की अनुमति से दी जा सकती है।

''फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम'' में कुल 60 सीट नियत होगी। दो बैच 30–30 विद्यार्थियों का प्रवेश प्रश्न–पत्रों के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है–

Name of the Course: **Certificate Course in Fashion, Accessories & Craft Designing (Ccfacd)**

Course Objective: After completion of this course the students will be able to-

1- Know technical aspects of Fashion, Accessories & Craft Designing.

2- Develop and design types of Garments for the present society requirements of mankind.

3- Establish their, own Fashion, Accessories & Craft Designing/ Manufacturing Centre.

4- Pursue their career as Fashion, Accessories & Craft Designer of repute.

DETAIL SYLLABUS

THEORY PAPERS

Paper-01 **Fundamental Theory of Fashion Designing** Marks-100

Basic Concept and Role of Fashion Designing in Contemporary Society, Study about Sewing Machine and its parts, Properties of Textile Fibers, Classification of Natural, Artificial & Mixed Textile Fibers Identification of Textile Fibers.

Paper-02 **Material and Method of Fashion Designing** Marks-100

Tools & Equipment's of Fashion designing- Measuring Tape, Ruler, 'L'-Square & Tailor's Scale, Needles & Scissors, Types of Human Personalities, Concept of Drafting Pattern, Planning for Cloth Cutting, Color theory (Basic & Secondary), Elements of Dyeing & Printing, Tie & Dye.

PRACTICAL PAPER-1 Fundamental Study of Fashion & Craft Designing Marks-100

Unit-A: Sketching of Child Anatomy & Dresses

Unit-B: Basic Drawing & Sketching on Computer (help of Paint Application)

PRACTICAL PAPER-2 Garment Ornamentation Marks-100

Drafting and Cutting of Garments, Pattern Design, Preparation of Children wear in decorative style, Application of Acrylic color (Fabric Color), Study of Hand Embroidery and Stitching, Study of Crocheting, Designing of Tie & Dye.

Project Work/Display & Viva-Voce Marks-200

Students will arrange an Exhibition cum Display of their Project work and Class work at the time of Viva-Voce Examination.

द्वितीय वर्ष

फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में डिप्लोमा

इस पाठ्यक्रम में जो छात्र फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम एक वर्ष (30 क्रेडिट अर्थात् 450 घंटे) का उत्तीर्ण कर चुका है, प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है।

1. पाठ्यक्रम का नाम : ''**फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में डिप्लोमा**''
2. पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष (30 क्रेडिट अर्थात 450 घंटे) की होगी।
3. इस पाठ्यक्रम का सत्र विश्वविद्यालय के अन्य कक्षाओं की भांति जुलाई से जून तक होगा।
4. प्रवेश हेतु आवेदन पत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय से निर्धारित शुल्क भुगतान करने पर प्राप्त होगा।
5. शुल्क विवरण : इस पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित शिक्षण शुल्क रूपया 5500/– है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित परीक्षा शुल्क भी देय होगा। शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क विद्यार्थियों को प्रवेश के समय एक साथ जमा करना होगा।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दो सिद्धान्त के प्रश्न–पत्र, दो प्रायोगिक एवं एक प्रोजेक्ट वर्क होगा। सिद्धान्त के प्रश्न–पत्र हेतु 10 क्रेडिट, प्रायोगिक कार्य हेतु 10 क्रेडिट तथा प्रोजेक्ट कार्य हेतु 10 क्रेडिट निर्धारित होंगे। प्रश्न–पत्र तथा उसके अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम का विवरण निम्नवत है–

सिद्धान्त (Theory)

Paper I	History of Fashion Designing	100 Marks
Paper II	Technical Study of Dress Designing and Computer Graphic	100 Marks
	Total	**200**

Marks

प्रायोगिक कार्य (Practical Work) सभी प्रायोगिक कार्य 3 घंटे की अवधि के होंगे।

Practical I	Study of Fashion, Accessories & Craft Designing	100 Marks
Practical II	Visual Concept of Professional Presentation	100 Marks
	Total	200 Marks

प्रोजेक्ट कार्य (Project Work/Display & Viva-Voce)सभी प्रोजेक्ट कार्य 6 घंटे की अवधि के होंगे।

200 Marks

Grand Total 600

Marks

वर्षिक परीक्षा के आधार पर परीक्षा परिणाम घोषित होगा। सिद्धान्त, प्रायोगिक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य के सम्पूर्ण प्राप्तांकों के आधार पर विद्यार्थियों को ग्रेड/श्रेणी प्रदान की जायेगी। लिखित, प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट कार्य तीनों में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

सिद्धान्त के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न–पत्र सौ–सौ अंको के होंगे। सभी प्रश्न–पत्र अनिवार्य हैं। सिद्धान्त में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक हैं। अर्थात सिद्धान्त के प्रश्न–पत्रों में 66/200 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

इसी प्रकार प्रायोगिक कार्य जो दो सौ अंको का होगा। उसमें न्यूनतम 33 प्रतिशत (66 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

प्रोजेक्ट कार्य जो दो सौ अंकों का होगा। उसमें भी न्यूनतम 40 प्रतिशत (80 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

इस प्रकार लिखित, प्रायोगिक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य कुल 600 अंकों के होंगे। 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी (ए–ग्रेड), 45 प्रतिशत या 45 प्रतिशत से अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को द्वितीय श्रेणी (बी–ग्रेड) तथा 33 प्रतिशत या 33 प्रतिशत से अधिक परन्तु 45 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को तृतीय श्रेणी (सी–ग्रेड) में उत्तीर्ण माना जायेगा।

शिक्षण अवधि में हुए कक्षा व्याख्यानों, सेमिनारों, ट्यूटोरियल कक्षाओं तथा प्रायोगिक कार्यक्रमों में 75 प्रतिशत उपस्थिति सभी के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है। विषेश परिस्थिति में 5 प्रतिशत की छूट कुलपति जी की अनुमति से दी जा सकती है।

''फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में डिप्लोमा'' में कुल 60 सीट नियत होगी। दो बैच 30–30 विद्यार्थियों का प्रवेश प्रश्न–पत्रों के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है–

Name of the Course: **Diploma Course in Fashion, Accessories & Craft Designing (Dcfacd)**

Course Objective: After completion of this course the students will be able to-

1- Know technical aspects of Fashion, Accessories & Craft Designing.

2- Develop and design types of Garments for the present society requirements of mankind.

3- Establish their, own Fashion, Accessories & Craft Designing/ Manufacturing Centre.

4- Pursue their career as Fashion, Accessories & Craft Designer of repute.

DETAIL SYLLABUS

THEORY PAPERS

Paper-01 **History of Fashion Designing** Marks-100

Pre-history of Fashion designing, Ancient World (Mesopotamia, Babylonians, Assyrians, Persians, Egypt and Aegean) Classical period (Greece and Roman) and their impact on Indian Fashion world, Sociological and Psychological impact on contemporary Fashion world, Significance of Clothing and their selection.

Paper-02 **Technical Study of Dress Designing and Computer Graphic** Marks-100

Technical theory of Dyeing Process, Material and Method of Batik & Block Printing, Type of Seams and their impact on dress making, Types of Pleats, Tucks, Gathers, Frills, Neckline and Collars.

Concept of Computer Graphic: Monitor, CPU, Key-board, Window application Paint, Selection of Font & Size of types, Scanner and Printing Process.

PRACTICAL PAPER-1 Study of Fashion, Accessories & Craft Designing Marks-100

Collection of Fibers & Cloths, Multiple Dyeing of Cloths, Batik & Block Printing, Removing Wax and Washing of Cloths, Preparation of Ladies Garments/Dress Materials, Accessories and Craft (Tatting).

PRACTICAL PAPER-2 Visual Concept Of Professional Presentation Marks-100

Unit-A: Drawing and Sketching from Life/ Model with different dresses in Color/Pastel/ Wax & any other Medium.

Unit-B: Study of Computer Designing in Coral-Draw application

Project Work/Display & Viva-Voce Marks-200

Students will arrange an Exhibition cum Display of their Project work and Class work at the time of Viva-Voce Examination.

तृतीय वर्ष

फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में एडवान्स डिप्लोमा

इस पाठ्यक्रम में जो छात्र फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एक वर्ष (30 क्रेडिट अर्थात् 450 घंटे) का उत्तीर्ण कर चुका है, प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है।

1. पाठ्यक्रम का नाम : ''**फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में एडवान्स डिप्लोमा**''
2. पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष (30 क्रेडिट अर्थात 450 घंटे) की होगी।
3. इस पाठ्यक्रम का सत्र विश्वविद्यालय के अन्य कक्षाओं की भांति जुलाई से जून तक होगा।
4. प्रवेश हेतु आवेदन पत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय से निर्धारित शुल्क भुगतान करने पर प्राप्त होगा।
5. **शुल्क विवरण :** इस पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित शिक्षण शुल्क रूपया 5500/– है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित परीक्षा शुल्क भी देय होगा। शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क विद्यार्थियों को प्रवेश के समय एक साथ जमा करना होगा।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दो सिद्धान्त के प्रश्न–पत्र, दो प्रायोगिक एवं एक प्रोजेक्ट वर्क होगा। सिद्धान्त के प्रश्न–पत्र हेतु 10 क्रेडिट, प्रायोगिक कार्य हेतु 10 क्रेडिट तथा प्रोजेक्ट कार्य हेतु 10 क्रेडिट निर्धारित होंगे। प्रश्न–पत्र तथा उसके अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम का विवरण निम्नवत है–

सिद्धान्त (Theory)

Paper I	Role of Textile in Fashion Dimensions	100 Marks
Paper II	Aesthetic Appreciation of Fashion Technique & Computer Graphic	100 Marks
	Total	**200**

Marks

प्रायोगिक कार्य (Practical Work) सभी प्रायोगिक कार्य 3 घंटे की अवधि के होंगे।

Practical I	Rendering Presentation of Fashion, Accessories & Craft Products	100 Marks
Practical II	Techno-Graphic Application, Presentation & Merchandising	100 Marks
	Total	**200**

Marks

प्रोजेक्ट कार्य (Project Work/Display & Viva-Voce)सभी प्रोजेक्ट कार्य 6 घंटे की अवधि के होंगे।

200 Marks

Grand Total 600

Marks

वर्षिक परीक्षा के आधार पर परीक्षा परिणाम घोषित होगा। सिद्धान्त, प्रायोगिक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य के सम्पूर्ण प्राप्तांकों के आधार पर विद्यार्थियों को ग्रेड/श्रेणी प्रदान की जायेगी। लिखित, प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट कार्य तीनों में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

सिद्धान्त के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न–पत्र सौ–सौ अंको के होंगे। सभी प्रश्न–पत्र अनिवार्य हैं। सिद्धान्त में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक हैं। अर्थात सिद्धान्त के प्रश्न–पत्रों में 66/200 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

इसी प्रकार प्रायोगिक कार्य जो दो सौ अंको का होगा। उसमें न्यूनतम 33 प्रतिशत (66 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

प्रोजेक्ट कार्य जो दो सौ अंकों का होगा। उसमें भी न्यूनतम 40 प्रतिशत (80 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

इस प्रकार लिखित, प्रायोगिक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य कुल 600 अंकों के होंगे। 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी (ए–ग्रेड), 45 प्रतिशत या 45 प्रतिशत से अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को द्वितीय श्रेणी (बी–ग्रेड) तथा 33 प्रतिशत या 33 प्रतिशत से अधिक परन्तु 45 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को तृतीय श्रेणी (सी–ग्रेड) में उत्तीर्ण माना जायेगा।

शिक्षण अवधि में हुए कक्षा व्याख्यानों, सेमिनारों, ट्यूटोरियल कक्षाओं तथा प्रायोगिक कार्यक्रमों में 75 प्रतिशत उपस्थिति सभी के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है। विशेष परिस्थिति में 5 प्रतिशत की छूट कुलपति जी की अनुमति से दी जा सकती है।

''फैशन, एसेसरीज एवं क्राफ्ट डिजाइनिंग में एडवान्स डिप्लोमा'' में कुल 60 सीट नियत होगी। दो बैच 30–30 विद्यार्थियों का प्रवेश प्रश्न–पत्रों के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है–

Name of the Course: **Advance Diploma Course in Fashion, Accessories & Craft Designing (ADcfacd)**

Course Objective: After completion of this course the students will be able to-

1- Know technical aspects of Fashion, Accessories & Craft Design.

2- Develop and design types of Garments for the present society requirements of mankind.

3- Establish their, own Fashion, Accessories & Craft Designing/ Manufacturing Centre.

4- Pursue their career as Fashion, Accessories & Craft Designer of repute Fashion house and Manufacturers.

DETAIL SYLLABUS

THEORY PAPERS

Paper-01 **Role of Textile In Fashion Dimensions** Marks-100

Traditional Textile of India, Appropriate attire and dress Etiquette, Style & Fashion, Dress Code, Readymade Garment Fabric Glossary Weaving, Selvages, Count of Cloth, Type of Loom.

Paper-02 **Aesthetic Appreciation of Fashion Technique & Computer Graphic** Marks-100

Unit-A: Psychology, Characteristic, Emotion, Harmony of Color, Texture (Color & Cloth), Style, Screen & Stencil Printing accessories.

Unit-B: Advance Computer Graphic: Photo Shop application, Scanning Process.

PRACTICALS

PAPER-1 Rendering Presentation of Fashion, Accessories & Craft Products Marks-100

Unit-A: Creative drawing of Fashion, Accessories & Craft Products (Rendering/Color), Fashion Illustration with surface texture study, Packing presentation for Product design.

Unit-B: Innovation article preparation, Creative Garment for Ladies, Gents & Children with Accessories, Study of Macramé, Hand Knitting and Weaving.

PAPER-2 Techno-Graphic Application, Presentation & Merchandising Marks-100

Unit-A: Study of Computer Graphic Creative design as unit design Scanning and Printing.

Unit-B: Creation of Consumer Market, Demand & Cataloging for Marketing, Merchandising.

Internship & Project Work/Display & Viva-Voce Marks-200

AFTER 03 WEEKS OF Internship in an industry/ Workshop, Student will present detail Project report and arrange an Exhibition cum Display of their Project work and Class work at the time of Viva-Voce Examination.

*****